पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल ने एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

———————

उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए प्रदेश के विश्वविद्यालय आपसी तालमेल बढ़ाएं

———————

विश्वविद्यालयों में चल रही ऑनलाइन विदेशी शिक्षकों की कक्षाओं से प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालय के छात्रों को भी जोड़ा जाए

———————

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक सहयोग में पड़ोसी देशों को प्राथमिकता दें

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 22 अगस्त, 2023

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में दो अलग–अलग बैठकों में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्याल, मेरठ तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की 'नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क' (एन.आई.आर.एफ.) हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ का प्रस्तुतिकरण कुलपति प्रो0 संगीता शुक्ला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की एन.आई.आर.एफ. टीम द्वारा तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर का प्रस्तुतिकरण कुलपति प्रो0 विनय पाठक के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की टीम ने प्रस्तुत किया। दोनों

बैठकों के दौरान 'उपक्रम' के सदस्य तथा एन.आई.डी. चण्डीगढ़, के प्रो0 संजीत विशेषज्ञ के तौर पर ऑनलाइन जुड़े रहे।

विश्वविद्यालयों की टीम ने एन.आई.आर.एफ. के पाँचों क्राइटेरिया पर बिंदुवार तैयारी को पहला प्रस्तुतिकरण राज्यपाल जी के समक्ष प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो0 संगीता शुक्ला जी ने बताया कि उन्होंने एन.आई.आर.एफ. में ओवरऑल विश्वविद्यालय रैंकिंग के लिए तैयारी की है। जबकि कुलपति प्रो0 विनय पाठक ने सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय द्वारा फार्मेसी और इंजीनियरिंग फैकल्टी तथा ओवरऑल विश्वविद्यालय रैंकिंग में एन.आई.आर.एफ. में अपना दावा प्रस्तुत करने की तैयारी की जानकारी दी। बैठकों में बिंदुवार समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विशेषज्ञों से परामर्श के उपरांत रैंकिंग हेतु एन.आई.आर.एफ. में डाटा प्रेषित किया जाए। उन्होंने उत्कृष्ट रैंकिंग के लिए प्रदेश के विश्वविद्यालयों को आपसी तालमेल बढ़ाने, अपनी उत्कृष्ट सुविधाओं को साझा करने, शोध एवं नवाचारों को एन.आई.आर.एफ. और क्यू.एस. वर्ल्ड रैंकिंग के अनुरूप करने को कहा।

राज्यपाल ने दोनों विश्वविद्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कक्षाओं से प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों को भी जोड़ने को कहा। यहाँ गौरतलब है कि सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर में जर्मन और फ्रेंच की कक्षाएं तथा सी.सी.एस. विश्वविद्यालय, मेरठ में रूस से रशिया भाषा तथा टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ जापान में फिजिक्स की ऑनलाइन कक्षाओं हेतु एम. ओ.यू. क्रियाशील है। इसके साथ ही सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी के आयोजन हेतु भी सक्रिय है। राज्यपाल जी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन कक्षाओं से प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों को भी जोड़कर बड़े स्तर पर विद्यार्थियों को लाभान्वित कराने को कहा। समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि अंतर्राष्ट्रीय

शैक्षिक सहयोग के आदान–प्रदान की प्रक्रिया में पड़ोसी देशों के विश्वविद्यालयों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्राथमिकता से जोड़ें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 की एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग के लिए माह दिसम्बर में डाटा प्रेषित किया जायेगा। इसलिए 'उपक्रम' से जुड़े सभी विश्वविद्यालय व्यापक विश्लेषण के साथ तैयारी करें। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जो विश्वविद्यालय नैक का 'ए प्लस प्लस' उच्चतम ग्रेड प्राप्त कर चुके हैं, उन्हें एन.आई.आर.एफ. में पाँचवें क्राइटेरिया में इस उपलब्धि के 03 अंक प्राप्त हो जाते हैं, जो कि रैंकिंग स्तर की गणना में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आज सम्पन्न दोनों बैठकों में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं एन.आई.आर.एफ. टीम के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

डॉ0 सीमा गुप्ता,
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र 8318116361

राज्यपाल जी के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ की कुलपति एवं विश्वविद्यालय की एन.आई.आर.एफ. टीम के सदस्य

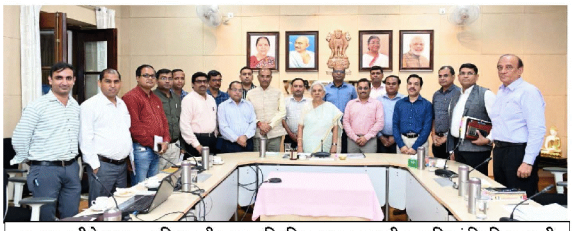

राज्यपाल जी के साथ छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की कुलपति एवं विश्वविद्यालय की एन.आई.आर.एफ. टीम के सदस्य